अमर उजाला

वीडियो कांफ्रेंसिंग से राष्ट्रपति ने शिक्षकों, छात्रों का किया आह्वान

युवा कंधों पर देश की जिम्मेदारी

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने मंगलवार को 'नेशनल नॉलेज नेटवर्क' के तहत वीडियो कांफ्रेंसिंग से उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों और छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। कहा कि देश की युवा शक्ति को राष्ट्रनिर्माण की जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेनी होगी। 'युवा व राष्ट्र निर्माण' विषय पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि युवा राष्ट्र निर्माण में अपनी अहम भूमिका अदा करें इसके लिए जरूरी है कि शिक्षित और प्रशिक्षित किया जाए। हमें युवाओं को मूल्यपरक शिक्षा देनी होगी ताकि इस धर्म निरपेक्ष राष्ट्र को युवा और मजबूती दे सकें।

कहा कि भारत को नई सोच नए आइडिया की जरूरत है जिससे शिक्षा, कौशल विकास, स्वच्छता, साफ-सफाई की चुनौतियों का समाधान हो सके। कहा कि इस डिजिटल युग में हम हर महीने एक करोड़ युवाओं में कौशल विकसित कर सकते हैं। गांव में रहने वाला व्यक्ति एक मोबाइल फोन की मदद से सूचना, शिक्षा अन्य सेवाओं का लाभ किस तरह उठा सकता है, अगर उसे ये बता दिया जाए तो उसे सशक्त किया जा सकता है।

स्टार्ट अप इंडिया पर उन्होंने कहा कि हम अपने सपनों का भारत तब बना सकते हैं जब एक प्रवर्तक (इनोवेटर), उद्यमी और वित्तदाता को एक मंच पर लाएं। कहा कि आप अपने छात्र को सरकारी स्कूल में बच्चों को पढ़ाने के लिए एक घंटे भेजें। समुदाय परक परियोजनाएं विकसित करें। देश का राष्ट्रनिर्माण तक होगा जब हम में ये भाव आए कि जितना हम उपभोग करें, उससे ज्यादा उत्पादन करें। जितना हम लें उससे ज्यादा दें। जितना बोलें उससे ज्यादा करें। वीडियो कांफ्रेंसिंग का सीधा प्रसारण स्वतंत्रता भवन के सीनेट हॉल में किया गया था। इस अवसर पर कुलपति प्रो. जीसी त्रिपाठी, कुलसचिव डॉ. केपी उपाध्याय, अभय कुमार ठाकुर सहित सभी निदेशक, संकाय प्रमुख, विभागाध्यक्ष आदि मौजूद रहे। दूसरी ओर, विद्यापीठ के सेवायोजन केंद्र पर विद्यार्थी राष्ट्रपति के विचारों को सुना। इस दौरान कुलसचिव ओमप्रकाश, उपकुलसचिव शमीम अहमद खान आदि छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बीएचयू के स्वतंत्रता भवन के सीनेट हॉल में राष्ट्रपति की वीडियो कांफ्रेंसिंग को देखते वीसी, शिक्षक और छात्र।

राष्ट्रपति बोले

- देश को नई सोच और नए आइडिया की जरूरत
- प्रवर्तक (इनोवेटर), उद्यमी और वित्तदाता हों एक मंच पर

वीडियो कांफ्रेंसिंग से राष्ट्रपति को पहली बार सुनकर अच्छा लगा।

बनारस से भी छात्रों को सवाल पूछने का अवसर मिलना चाहिए था। राष्ट्रनिर्माण पर उनके विचारों का अनुसरण करना होगा।

-अमित कुमार, बीएससी तृतीय वर्ष महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ

राष्ट्रपति ने जो भी सुझाव दिए, उसका पालन करेंगे। शिक्षा के गुणवत्ता के लिए इस तरह का मार्गदर्शन समय-समय पर जरूरी है। *-प्रतिमा यादव, बीए तृतीय वर्ष, विद्यापीठ*